-3, Se-301, By- Dr. S. B. Choudhary
Educational Programmes for their Rehabilitation
Juvenile Delinquents)

Camlin Page (2)
Date 16 / 12 / 2020

सुधार शिक्षालयों (Reformatory Schools) की व्यवस्था
बाल अपराधी बालकों को सुधारने के बारे में लिए
जाने वाला निर्णय बहुत ही उपयोगी है। इनका प्रबंध
और नियंत्रण कुछ-कुछ जेल जैसा होता हुआ भी
इनमे अपराधी बालकों की शिक्षा-दीक्षा के सभी संभव
उपाय किए जाते हैं। इन विद्यालयों मे विशेष रूप से
अध्यापक प्रशिक्षित होते हैं। इनका पाठ्यक्रम भी बहुत
लचीला होता है और उसमे हस्तकला, उद्योग तथा
प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान प्राप्त करने तथा मनोरंजन
और आत्माभिव्यक्ति संबंधी सभी प्रकार के अवसर
प्रदान किये जाते हैं।

बहुत से प्रान्तों मे राज्य बाल अधिनियम
(State Children act) लागू हो चुका है और कुछ प्रांत
पुनः व्यवस्थापन (Rehabilitation) और पुनः शिक्षा
(Re-education) देने का कार्य आरंभ कर काफी आगे
बढ़ चुके हैं। बाल अपराध से निपटने के लिए
अलग से बाल कल्याण मंडलों (Child welfare
Boards) की स्थापना की गई है। और सुधार
शिक्षालयों को भी खोला जा रहा है। (Reformatory schools)
हिसार, लखनऊ, जबलपुर, हजारीबाग (बिहार) में
इस प्रकार के स्कूल अच्छी तरह काम कर रहे हैं।
उपेक्षित और अनाथ बच्चों की देख रेख के लिए
उचित प्रयत्न किये जा रहे हैं उन्हे अपराधी बनने
से रोका जा सके।

TOPIC Educational Programmes for their Rehabilitation (Juvenile Delinquents)

सुधार शिक्षालयों (Reformatory Schools) की व्यवस्था करना अपराधी बालकों को सुधारने के बारे में लिए जाने वाला निर्णय बहुत ही उपयोगी है। इनका प्रबंध और नियंत्रण कुछ-कुछ जेल जैसा होता हुआ भी इनमें अपराधी बालकों की शिक्षा-दीक्षा के सभी संभव उपाय किए जाते हैं। इन विद्यालयों में विशेष रूप से अध्यापक प्रशिक्षित होते हैं। इनका पाठ्यक्रम भी बहुत लचीला होता है और उसमें हस्तकला, उद्योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान प्राप्त करने तथा मनोरंजन और आत्माभिव्यक्ति संबंधी सभी प्रकार के अवसर प्रदान किये जाते हैं।

बहुत से प्रान्तों में राज्य बाल अधिनियम (State Children act) लागू हो चुका है और कुछ प्रान्त पुनः व्यवस्थापन (Rehabilitation) और पुनः शिक्षा (Re-education) देने का कार्य आरंभ कर काफी आगे बढ़ चुके हैं। बाल अपराध से निपटने के लिए अलग से बाल कल्याण मंडलों (Child welfare Boards) की स्थापना की गई है। और सुधार शिक्षालयों को भी खोला जा रहा है (Reformatory schools) हिसार, लखनऊ, जबलपुर, हजारीबाग (बिहार) में इस प्रकार के स्कूल अच्छी तरह काम कर रहे हैं। उपेक्षित और अनाथ बच्चों की देख रेख के लिए उचित प्रयत्न किये जा रहे हैं उन्हें अपराधी बनने से रोका जा सके।